भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1965
गुरूवार, 14 दिसम्बर, 2023 (23 अग्रहायण, 1945 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाई क्षेत्र का ईष्टतम उपयोग

1965. श्री रवनीत सिंह:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने हवाई क्षेत्र के उपयोग का अध्ययन और ईष्टतम उपयोग करने की कवायद की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या दिल्ली और नोएडा विमानपत्तनों के लिए अधिक तालमेल हेतु हवाई क्षेत्र साझा करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का देश के अन्य विमानपत्तनों में हवाई क्षेत्र के उपयोग को ईष्टतम बनाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली को वर्ष 2032 तक दोगुनी क्षमता से प्रचालित किया जाएगा और इस संबंध में कोई विचार-विमर्श किया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क): एयरस्पेस का ईष्टतम उपयोग सुनिश्चित करना एक सतत प्रक्रिया है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने क्षमता संवर्धन रोडमैप का आकलन करने और इसे तैयार करने के लिए एक तीसरे पक्ष के परामर्शदाता से अनुबंध किया है।

(ख): दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा और आगामी नोएडा हवाईअड्डा दोनों के नियंत्रण क्षेत्रों को ओवरलैप करने की तैयारी चल रही है ताकि बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने और दोनों स्थानों पर आने और जाने वाले विमानों के लिए सुरक्षित और कुशल विमान यातायात सेवाओं के प्रावधान को सुनिश्चित किया जा सके।

(ग): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने मुंबई और नवी मुंबई हवाईअड्डों के लिए एयरस्पेस का ईष्टतम उपयोग करने के लिए कवायद करने की योजना बनाई है।

(घ) और (ड.): क्षमता में चरणबद्ध, वृद्धि, डायल के लिए अध्ययन करने वाले तीसरे पक्ष के संविदाकार के निष्कर्षों पर निर्भर करती है।

****